Equilibrium Under monopolistic Competition

Pranav Shekhar

Assistant Professor

Notes for BA part 1

Edit with WPS Office

Scanned with CamScanner

Shortrun monopolistic competition की सीमांत परिस्थिति में अल्पकाल में तीन अवस्थाएं होती हैं

i) Super Normal Profit

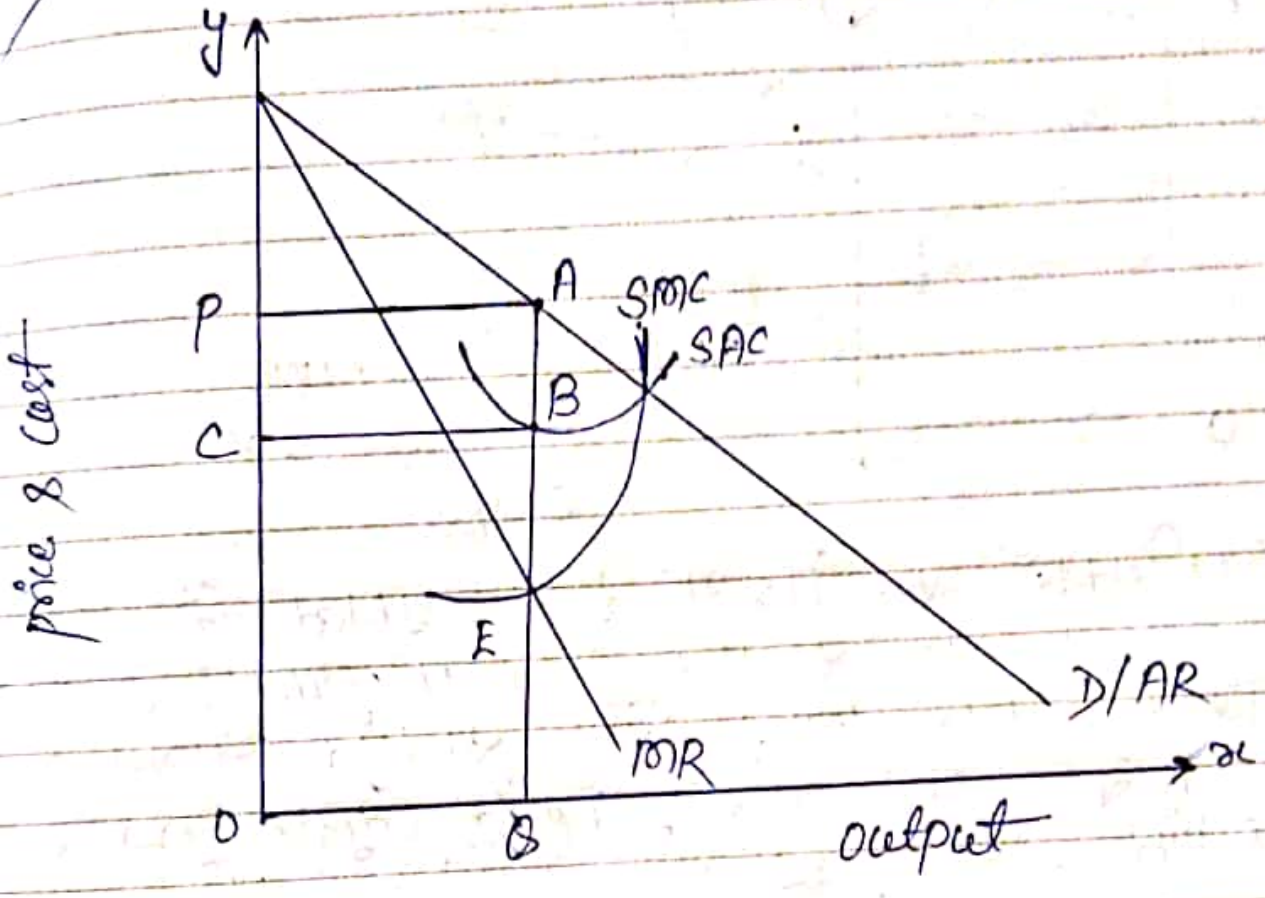

ii) Normal profit

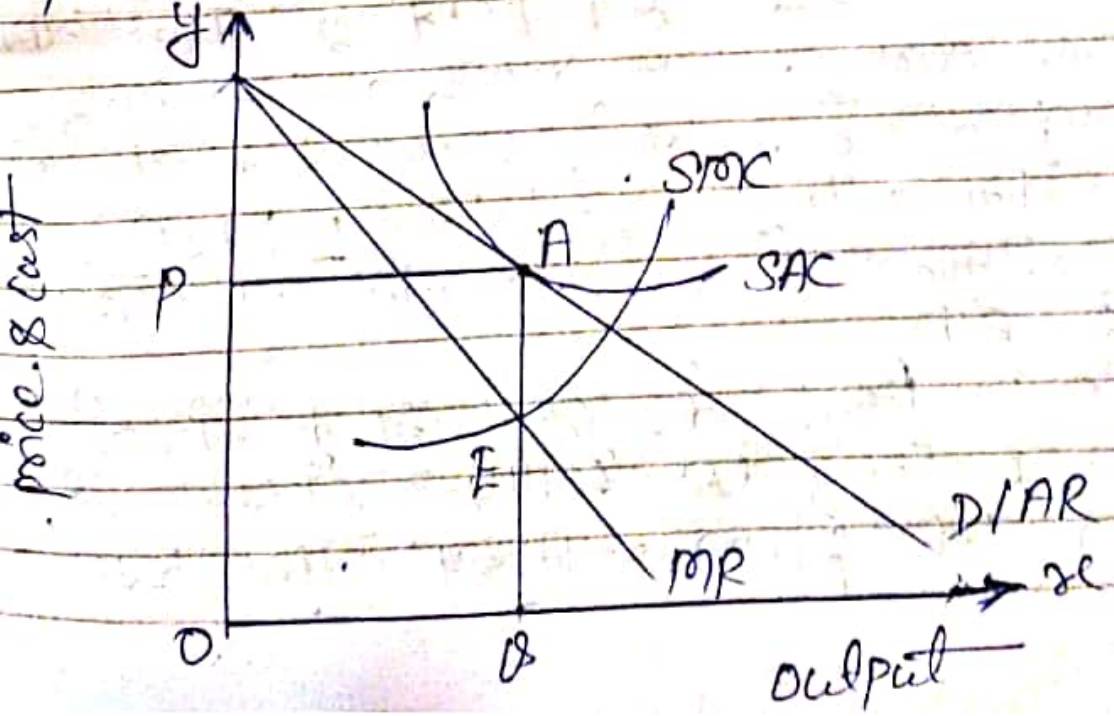

Scanned with CamScanner

iii) Minimum Loss

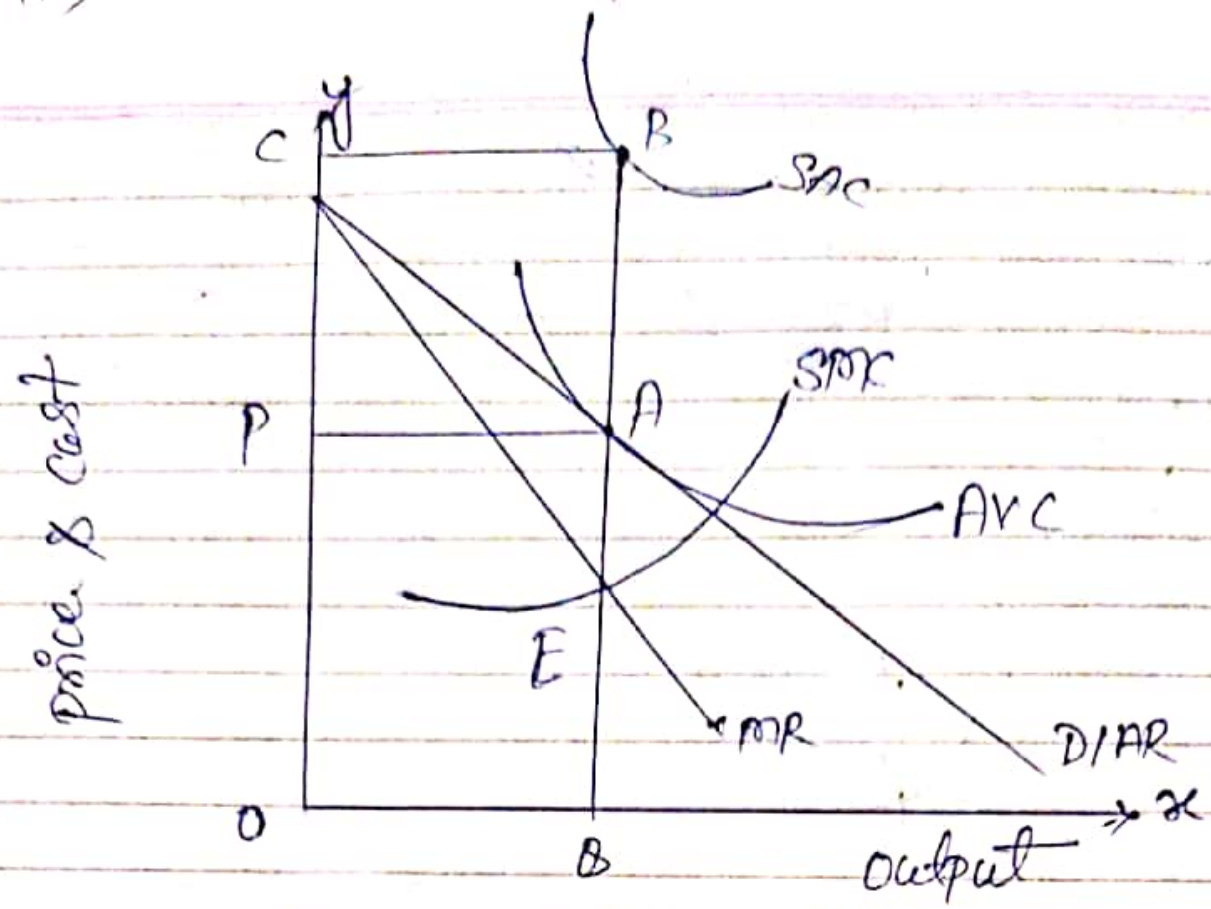

एकाधिकार प्रतियोगिता में लघुकाल में संतुलन तब स्थापित किया जाता है जब सीमांत लागत (MC) और सीमांत आगम (MR) बराबर हो और सीमांत लागत वक्र सीमांत आगम वक्र को नीचे से काटे।

दिए गए चित्र में x-axis पर output तथा y-axis पर price and cost को दर्शाया गया है। चित्र के पहले भाग में SMC curve, MR curve को E बिन्दु पर कटता है, जहाँ निम्न सामान्य से अधिक लाभ कमा रहा है और □PABC क्षेत्र सामान्य से अधिक लाभ को दर्शा रहे है।

चित्र के दूसरे भाग में भी संतुलन E बिन्दु पर स्थापित हो रहा है, एवं एक निम्न सामान्य लाभ कमा

Scanned with CamScanner

रहा है जो कि Demand curve D एवं Marginal cost curve के स्थान बिन्दु पर बना है। A बिन्दु पर ही SAC curve को दर्शाया गया है जहाँ firm केवल सामान्य लाभ अर्जित करता है।

चित्र के तीसरे भाग में firm SAC को भी अर्जित नहीं कर पाता एवं उसको नुकसान होता है। क्योंकि उसका औसत आगम औसत लागत से कम है। यहाँ firm B बिन्दु पर केवल SAVC अर्जित करेगा एवं उसी उद्योग में बना रहेगा। यदि किसी परिस्थिति में firm SAVC अर्जित नहीं कर पाता है तो firm के लिए अच्छा होगा कि वह बाजार से बाहर हो जाए जिसे बाजार की भाषा में Shut down point कहते हैं।

Longrun Price Determination under Monopolistic Competition :—

दीर्घकाल में monopolistic competition में एक firm केवल Normal profit अर्जित कर सकता है। वह ना तो super Normal profit अर्जित करेगा और ना हि minimum Loss. क्योंकि monopolistic Competition में Free Entery and Free Exist का वातावरण बना रहता है। यहाँ यदि एक firm super Normal profit अर्जित करता है तो अन्य

दूसरे शब्दों में दीर्घकाल में monopolistic competition में एक firm optimum output का उत्पादन नहीं करता जिसे चित्र में L बिन्दु से दर्शाया गया है। यहाँ बिन्दु L, LAC curve का lowest point न होकर falling point है जिसमें firm के पास कुछ अतिरिक्त क्षमताएँ बची रह जाती है जिसे QQ_1 से दर्शाया गया है।

अन्य शब्दों में एक firm दीर्घकाल में LAC_0 के न्यूनतम बिन्दु पर नहीं बल्कि LAC के falling point पर संतुलन स्थापित होता है एवं कुछ अतिरिक्त क्षमताएँ बची रह जाती है।

Scanned with CamScanner

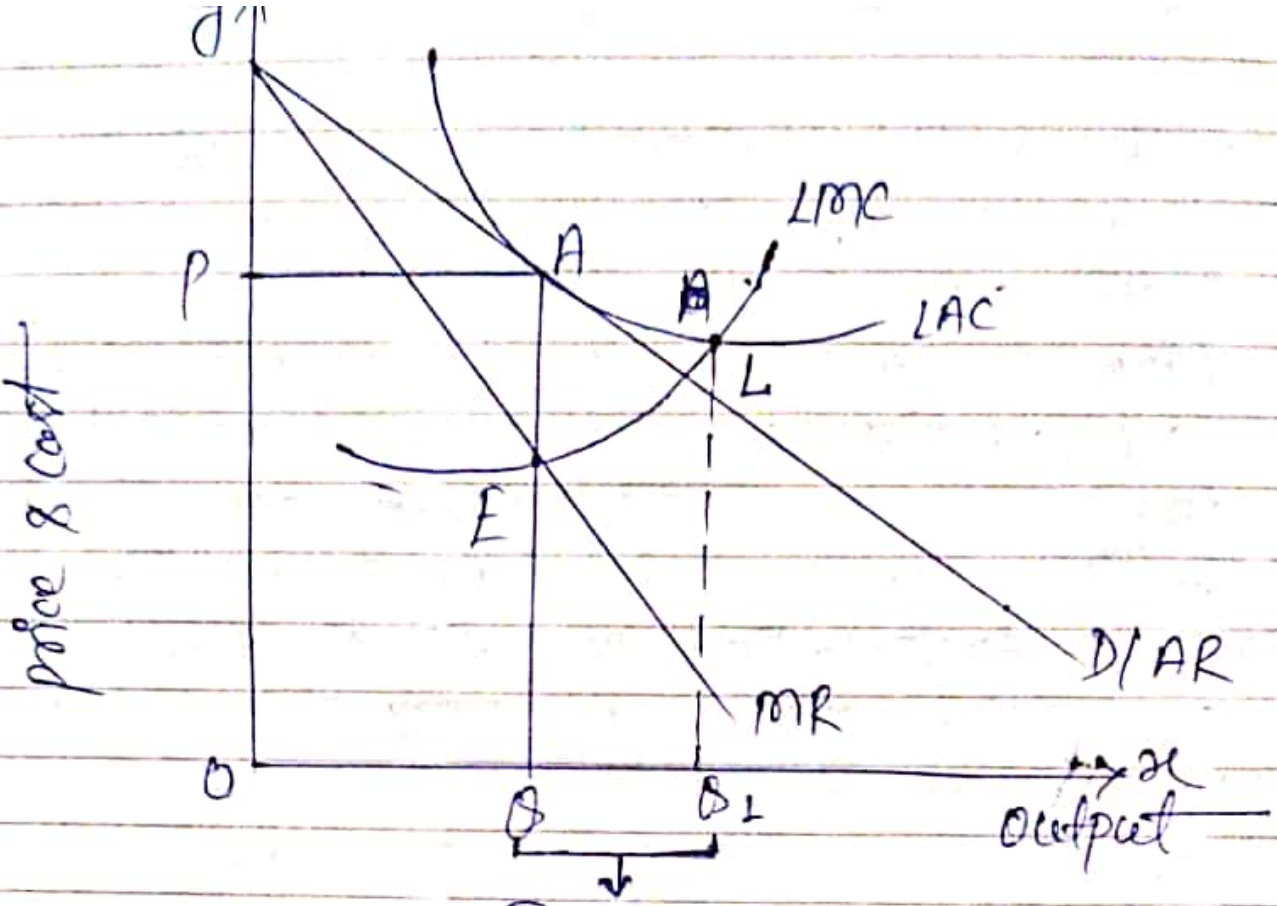

दिए गए चित्र में संतुलन E बिन्दु पर स्थापित हो रहा है जहाँ LMC, MR के बराबर है और LMC, MR को नीचे से काट रहा है। यहाँ LAC बिन्दु A पर Tangent है और फिर सामान्य लाभ अर्जित कर रहा है।

दीर्घकाल में हर फिर्म अपनी संपूर्ण क्षमता का इस्तेमाल नहीं करेगा एवं उसके पास कुछ अतिरिक्त क्षमताएँ बची रह जाएँगी।

Scanned with CamScanner